पाठ – मैया मैं नहिं माखन खायो

पाठ का सारांश

'मैया मैं नहिं माखन खायो' सूरदास कृत है। इनका जन्म 15वीं शताब्दी में हुआ। इन्होंने अपना अधिकांश जीवन मथुरा, गोवर्धन सहित ब्रज के क्षेत्रों में व्यतीत किया। यह श्री कृष्ण के गुणगान में भजन गाया करते थे। इन्होंने इस पाठ में श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का मनोहारी वर्णन किया है।

श्री कृष्ण स्वयं की माखन चोर की श्रेणी में नहीं रखते हैं इसलिए वह माता से कहते हैं कि उन्होंने मक्खन नहीं खाया है। मक्खन जबरन अहं मुख से लिपट गया है। ये सब बात माता के मन को मोहित करती है।

शब्दार्थ

- **मैया** – माता
- **भोर** – प्रातः
- **सुबह भयो** – होने पर
- **गैयन** – गौ, गाय
- **पाछे** – पीछे
- **मधुबन** – ब्रजभूमि के एक वन का नाम
- **मोहि** – मुझे
- **पठायो** – भेजना
- **बंसीवट** – बरगद का वह पेड़ जिसके नीचे श्रीकृष्ण बांसुरी बजाते थे
- **साँझ** – साँयकाल, शाम का समय
- **बहियन** – हाथ, बाँह
- **छोटो** – छोटा
- **छीको** – खूँटी आदि में लटकाया जाने वाला एक बर्तन
- **केहि** – कैसे
- **बिधि** – उपाय
- **पायो** – ग्रहण करना
- **ग्वाल** – अहीर, गोपालक
- **बैर** – शत्रु, दुश्मन
- **बरबस** – जबरदस्ती, बलपूर्वक किया गया कार्य
- **लपटायो** – लगाना
- **भोरी** – भोली
- **कहे** – कहने में
- **पतियायो** – विश्वास करना, सच समझ लेना
- **जिय** – हृदय
- **भेद** – संशय, शंका
- **उपजि** – उत्पन्न होना

eGyanarchive

- **पराया** – दूसरा
- **लकुटि** – लाठी
- **कमरिया** – छोटा कम्बल
- **बहुतहिं** – बहुत ही
- **बिहँसि** – हँसकर
- **उर** – हृदय
- **कंठ** – गला

पदों की व्याख्या

पद-1

मैया मैं नहिं माखन खायो।
भोर भयो गैयन के पाले, मधुबन मोहि पठायो।
चार पहर बंसीवर भटक्यो, साँझ परे घर आयो ।।
मैं बालक बहियन को छोटी, छीको केहि बिधि पायो।
ग्वाल-बाल सब बैर परे हैं, बरबस मुख लपटायो ।

सन्दर्भ – प्रस्तुत पंक्तियाँ 'मैया में नाहिं माखन खायो' पद से अवतरित है, जिसके रचयिता सूरदास है।
प्रसंग – इस पद में श्री कृष्ण अपनी माँ से वार्तालाप कर रहे हैं।
व्याख्या – श्री कृष्ण कहते हैं कि मैया मैंने माखन नहीं खाया है। आपने सुबह होते ही मुझे गायों के पीछे मधुबन में भेज दिया था। मैं तो उनको मधुबन में चरा रहा था। चार पहर बंसीवट पर व्यतीत करने के बाद ही मैं शाम को घर वापस आता हूँ। मैं अत्यन्त छोटा बालक है। मेरी भुजाएँ भी छोटी हैं तो मैं कैसे छींके तक पहुँच सकता है। ये सभी ग्वाल मुझसे बैर रखते हैं, इसलिए इन्होंने माखन मेरे मुख से जबरदस्ती लिपटा दिया है।

पद-2

तू माता मन की अति भोरी, इनके कड़े पतियायो।
जिये तेरे कछु भेद उपजि हैं, जानि परायो जायो ।
ये ले अपनी लकुटि कमरिया बहुतहिं नाच नचायो।
सूरदास तब बिहँसि जसोदा, लै उर कंठ लगायो ।

सन्दर्भ – प्रस्तुत पंक्तियाँ 'मैया मैं नाहिं माखन खायो' पद से अवतरित हैं, जिसके रचयिता सूरदास है।
प्रसंग – इस पद में श्री कृष्ण अपनी गलती छुपाते हुए माता को बहलाने का प्रयास कर रहे हैं।
व्याख्या – श्री कृष्ण कहते हैं कि माता तू मन की अत्यन्त भोली हैं, इसलिए इनकी बातों में आसानी से आ गई है। तेरे हृदय में जरूर, कुछ भेद उपज रहा है. इसलिए मुझ पर सन्देह कर मुझे पराया समझ रही है। ये अपनी लाठी और कम्बल ले ले, तूने मुझे बहुत नाच नचाया। है। सूरदास तब कहते हैं कि श्रीकृष्ण ने अपनी बातों से यशोदा माँ के मन को मोहित कर लिया और माँ ने श्रीकृष्ण को अपने गले से लगा लिया।

पाठ से

मेरी समझ से

(क) दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन – सा है? उसके सामने तारा (☆) बनाइए।

(1) मैं माखन कैसे खा सकता हूँ इसके लिए श्रीकृष्ण ने क्या तर्क दिया है?

- मुझे तुम पराया समझती हो।
- मेरी माता, तुम बहुत भोली हो।
- मुझे यह लाठी-कंबल नहीं चाहिए।
- मेरे छोटे-छोटे हाथ छींके तक कैसे जा सकते हैं?

उत्तर – मेरे छोटे-छोटे हाथ छींके तक कैसे जा सकते हैं? (☆)

(2) श्रीकृष्ण माँ के आने से पहले क्या कर रहे थे?

- गाय चरा रहे थे।
- माखन खा रहे थे।
- मधुबन में भटक रहे थे।
- मित्रों के संग खेल रहे थे।

उत्तर – माखन खा रहे थे। (☆)

(ख) अब अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए और कारण बताइए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने ?

उत्तर – मैंने ये उत्तर इसलिए चुने क्योंकि इनका वर्णन पाठ के अन्तर्गत हुआ है।

मिलकर करें मिलान

पाठ में से चुनकर यहाँ कुछ शब्द दिए गए हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और इन्हें इनके सही अर्थ या संदर्भ से मिलाइए।

शब्द	अर्थ या संदर्भ
1. जसोदा	1. समय मापने की एक इकाई (तीन घण्टे का एक पहर होता है। एक दिवस में आठ पहर होते हैं।)
2. पहर	2. एक वट वृक्ष (मान्यता है कि श्रीकृष्ण जब गाय चराया करते थे तब वे इसी वृक्ष के ऊपर चढ़कर वंशी की ध्वनि से गायों को पुकार कर उन्हें एकत्रित करते।)
3. लकुटि कमरिया	3. गोल पात्र के आकार का रस्सियों का बुना हुआ जाल जो छत या ऊँची जगह से लटकाया जाता है ताकि उसमें रखी हुई खाने-पीने की चीज़ों (जैसे दूध, दही आदि) को कुत्ते, बिल्ली आदि न पा सकें।
4. बंसीवट	4. यशोदा श्रीकृष्ण की माँ, जिन्होंने श्रीकृष्ण को पाला था।
5. मधुबन	5. जन्म देने वाली, उत्पन्न करने वाली, जननी माँ।

egyanarchive

6. छीकों	6. गाय पालने वालों के बच्चे, श्रीकृष्ण के संगी साथी।
7. माता	7. मथुरा के पास यमुना के किनारे का एक वन।
8. ग्वाल-बाल	8. लाठी और छोटा कंबल, कमली (मान्यता है कि श्रीकृष्ण लकुटि-कमरिया लेकर गाय चराने जाया करते थे।)

उत्तर –

शब्द	अर्थ या संदर्भ
1. जसोदा	4. यशोदा श्रीकृष्ण की माँ, जिन्होंने श्रीकृष्ण को पाला था।
2. पहर	1. समय मापने की एक इकाई (तीन घण्टे का एक पहर होता है। एक दिवस में आठ पहर होते हैं।)
3. लकुटि कमरिया	8. लाठी और छोटा कंबल, कमली (मान्यता है कि श्रीकृष्ण लकुटि-कमरिया लेकर गाय चराने जाया करते थे।)
4. बंसीवट	2. एक वट वृक्ष (मान्यता है कि श्रीकृष्ण जब गाय चराया करते थे तब वे इसी वृक्ष के ऊपर चढ़कर वंशी की ध्वनि से गायों को पुकार कर उन्हें एकत्रित करते।)
5. मधुबन	7. मथुरा के पास यमुना के किनारे का एक वन।
6. छीकों	3. गोल पात्र के आकार का रस्सियों का बुना हुआ जाल जो छत या ऊँची जगह से लटकाया जाता है ताकि उसमें रखी हुई खाने-पीने की चीज़ों (जैसे दूध, दही आदि) को कुत्ते, बिल्ली आदि न पा सकें।
7. माता	5. जन्म देने वाली, उत्पन्न करने वाली, जननी माँ।
8. ग्वाल-बाल	6. गाय पालने वालों के बच्चे, श्रीकृष्ण के संगी साथी।

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इनका अर्थ लिखिए।

(क) "भोर भयो गैयन के पाले मधुबन मोहि पठायो"

उत्तर – इन पंक्तियों से यह तात्पर्य है कि श्रीकृष्ण सवेरे होते ही गायों के पीछे मधुबन में चले जाते हैं।

(ख) "सूरदास तब बिहँसि जसोदा लै उर कंठ लगायों"

उत्तर – इन पंक्तियों से यह तात्पर्य है कि श्रीकृष्ण की बातों को सुनकर यशोदा ने मुस्कुराते हुए उन्हें अपने गले से लगा लिया।

सोच-विचार के लिए

पाठ को एक बार फिर से पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) पद में श्रीकृष्ण ने अपने बारे में क्या-क्या बताया है?

उत्तर – पद में श्रीकृष्ण ने अपने बारे यह बताया है कि-

(i) सवेरे वह गायों के पीछे चले गए।
(ii) उनके हाथ छोटे-छोटे हैं जो छींके तक नहीं पहुँच सकते।
(iii) उनके मुख पर मक्खन उनके मित्रों ने लगाया है।

(ख) यशोदा माता ने श्रीकृष्ण को हँसते हुए गले से क्यों लगा लिया?

उत्तर – जब श्रीकृष्ण ने अपनी बातों से माता यशोदा को समझाया कि उन्होंने माखन नहीं खाया। ग्वाले ने उनके मुख पर लगा दिया है, तब यशोदा माता ने श्रीकृष्ण को हँसते हुए गले से लगा लिया।

कविता की रचना

"भोर भयो गैयन के पाछे, मधुबन मोहि पठायो। चार पहर बंसीवट भटक्यो, साँझ परे घर आयो।"

इन पंक्तियों के अंतिम शब्दों को ध्यान से देखिए। 'पठायो' और 'आयो' दोनों शब्दों की अंतिम ध्वनि एक जैसी है। इस विशेषता को 'तुक' कहते हैं।

(क) इस पाठ को एक बार फिर से पढ़िए और पाठ की विशेषताओं की सूची बनाइए

उत्तर – (i) ओकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन है।
(ii) श्रीकृष्ण की मासूमियत का वर्णन है।
(iii) माता यशोदा के प्रेम का वर्णन है।

अनुमान या कल्पना से

(क) श्रीकृष्ण अपनी माँ यशोदा को तर्क क्यों दे रहे होंगे?

उत्तर – श्रीकृष्ण अपनी माँ यशोदा को तर्क इसलिए दे रहे होंगे क्योंकि इनकी माँ ने इन्हें माखन खाते हुए पकड़ लिया होगा।

(ख) जब माता यशोदा ने श्रीकृष्ण को गले से लगा लिया तब क्या हुआ होगा ?

उत्तर – जब माता यशोदा ने श्रीकृष्ण को गले से लगा लिया तब माता का गुस्सा प्रेम में बदल जाता है तो श्रीकृष्ण निश्चिंत हो जाते हैं।

शब्दों के रूप

(क) "भोर भयो गैयन के पाछे"

इस पंक्ति में 'पाछे' शब्द आया है। इसके लिए 'पोछे' शब्द का उपयोग भी किया जाता है।

नीचे ऐसे ही कुछ अन्य शब्द दिए गए हैं। इन्हें आप जिस रूप में बोलते-लिखते हैं उस प्रकार से लिखिए।

उत्तर –

- **परे** – होने पर
- **छोटो** – छोटे
- **विधि** – विधि
- **भोरी** – भोली
- **कछु** – कुछ
- **लै** – लगाना
- **नहिं** – नहीं

egyanarchive

(ख) पद में से कुछ शब्द चुनकर नीचे स्तम्भ । में दिए गए है और स्तम्भ 2 में उनके अर्थ दिए गए हैं। शब्दों का उनके सही अर्थों से मिलान कीजिए-

स्तम्भ-1
1. उपजि
2. जानि
3. जायो
4. जिय
5. पठायो
6. पतियायो
7. बहियन
8. विधि
9. विहँसि
10. भटक्यो
11. लपटायो

स्तम्भ-2
1. मुसकाई, हँसी
2. उपजना, उत्पन्न होना
3. जानकर, समझकर
4. विश्वास किया, सच माना
5. बाँह, हाथ, भुजा
6. प्रकार, भाँति, रीति
7. मन, जी
8. जन्मा
9. मला, लगाया, पोता
10. इधर-उधर घूमा या भटका
11. भेज दिया

उत्तर –

स्तम्भ-1
1. उपजि
2. जानि
3. जायो
4. जिय
5. पठायो
6. पतियायो
7. बहियन
8. विधि
9. विहँसि
10. भटक्यो
11. लपटायो

स्तम्भ-2
2. उपजना, उत्पन्न होना
3. जानकर, समझकर
8. जन्मा
7. मन, जी
11. भेज दिया
4. विश्वास किया, सच माना
5. बाँह, हाथ, भुजा
6. प्रकार, भाँति, रीति
1. मुसकाई, हँसी
10. इधर-उधर घूमा या भटका
9. मला, लगाया, पोता

वर्ण-परिवर्तन

"तू माता मन की अति भोरी"

'भोरी' का अर्थ है' भोली'। यहाँ 'ल' और 'र' वर्ण परस्पर बदल गए हैं। ऐसे शब्द चुनकर लिखिए।

उत्तर – परे – पड़े, भोरी – भोली, मोहि – मुझे

egyanarchive

पंक्ति से पंक्ति

प्रश्न – अर्थ के आधार पर सही मिलान कीजिए।

स्तम्भ-1	स्तम्भ-2
1. भौर भयो गैयन के पाछे, मधुबन मोहि पठायो।	1. मैं छोटा बालक हैं, मेरो बाँह छोटी हैं, मैं छीके तक कैसे पहुँच सकता हूँ?
2. चार पहर बंसीवट भटक्यो साँझ परे घर आयो।	2. तेरे हृदय में अवश्य कोई भेद है, जो मुझे पराया समझ लिया।
3. मैं बालक बहिंयन को छोटो छीको केहि बिधि पायो।	3. माँ तुम मन की बड़ी भोली हो. इनकी बातों में आ गई हो।
4. ग्वाल-बाल सब बैर परे हैं बरबस मुख लपटायो।	4. सुबह होते ही गायों के पीछे मुझे मधुबन भेज दिया।
5. तू माता मन की अति भौरी इनके कहे पतियायो।	5. चार पहर बंसीवट में भटकने के बाद साँझ होने पर घर आया।
6. जिय तेरे कछु भेद उपजि है जानि परायो जायो।	6. ये सब सखा मुझसे बैर रखते हैं, इन्होंने मक्खन हठपूर्वक मेरे मुख पर लिपटा दिया।

उत्तर –

स्तम्भ-1	स्तम्भ-2
1. भौर भयो गैयन के पाछे, मधुबन मोहि पठायो।	4. सुबह होते ही गायों के पीछे मुझे मधुबन भेज दिया।
2. चार पहर बंसीवट भटक्यो साँझ परे घर आयो।	5. चार पहर बंसीवट में भटकने के बाद साँझ होने पर घर आया।
3. मैं बालक बहिंयन को छोटो छीको केहि बिधि पायो।	1. मैं छोटा बालक हैं, मेरो बाँह छोटी हैं, मैं छीके तक कैसे पहुँच सकता हूँ?
4. ग्वाल-बाल सब बैर परे हैं बरबस मुख लपटायो।	6. ये सब सखा मुझसे बैर रखते हैं, इन्होंने मक्खन हठपूर्वक मेरे मुख पर लिपटा दिया।
5. तू माता मन की अति भौरी इनके कहे पतियायो।	3. माँ तुम मन की बड़ी भोली हो. इनकी बातों में आ गई हो।
6. जिय तेरे कछु भेद उपजि है जानि परायो जायो।	2. तेरे हृदय में अवश्य कोई भेद है, जो मुझे पराया समझ लिया।

egyanarchive

पाठ से आगे

आपकी बात

"मैया मैं नहि माखन खायो"

यहाँ श्रीकृष्ण अपनी माँ के सामने सिद्ध करने का प्रयास कर रहे हैं कि उन्होंने माखन नहीं खाया है।

प्रश्न – कभी-कभी हमें दूसरों के सामने सिद्ध करना पड़ जाता है कि यह कार्य हमने नहीं किया। क्या आपके साथ ही कभी ऐसा हुआ? कब ? किसके सामने? आपने अपनी बात सिद्ध करने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए? उस घटना के बारे में बताइए।

उत्तर – (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

मैंने एक बार स्कूल में अपना पूरा पराठा खा लिया था। जब घर आया तब माँ को पता था कि मेरा पेट भरा हुआ है। तभी पिता घर में चॉकलेट ले आए। माँ ने उन्हें छिपा कर रख दिया था क्योंकि मेरे दाँत में कोड़े लगे हैं। मैंने जैसे-तैसे चॉकलेट ढूँढ़ी और खा ली। माँ ने मुझसे पूछा कि चॉकलेट किसने खाई है। मैंने मना कर दिया लेकिन चॉकलेट मेरे मुँह से लगी रह गई थी तब माँ समझ गई कि मैंने ही चॉकलेट खाई है।

घर की वस्तुएँ

(क) "मैं बालक बहियन को छोटो, छीको केहि विधि पायो।" 'छीका' घर की एक ऐसी वस्तु है जिसे सैकड़ों वर्ष से भारत में उपयोग में लाया जा रहा है।

प्रश्न – नीचे कुछ और घरेलू वस्तुओं के चित्र दिए गए हैं। इन्हें आपके घर में क्या कहते हैं? चित्रों के नीचे लिखिए।

उत्तर –

छींका

घड़ा

इस्त्री

छोटी मेज

सिलाई मशीन

खाट

बरनी

सूप

सिल-बट्टा

चक्की

पंखा

मथनी

छलना

पिटारा

ओखली

मथनी

(ख) अपने परिवार के सदस्यों, शिक्षकों या इंटरनेट आदि की सहायता से दूध से घी बनाने की प्रक्रिया लिखिए।

उत्तर – मक्खन बनाने के लिए सर्वप्रथम गाय या भैंस के दूध आवश्यकता होती है। तत्पश्चात् उसे पकाने के लिए रख दिया जाता है। ठण्डा होने पर उसे जमा दिया जाता है. फिर उसे मथनी की सहायता से दही को मथा जाता है जिससे मक्खन ऊपर उठ आता है। फिर मक्खन और छाछ को अलग कर दिया जाता है। मक्खन को पकने के लिए चूल्हे पर रख दिया जाता है। वह पिघल कर घी बन जाता है।

समय का माप

"चार पहर बंसीवट भटक्यो साँझ परे घर आयो।।"

(क) 'पहर' और 'साँझ' शब्दों का प्रयोग समय बताने के लिए किया जाता है। समय बताने के लिए और कौन-कौन से शब्दों का प्रयोग किया जाता है?

(संकेत-कल, ऋतु, वर्ष, अब पखवाड़ा दशक, वेला, अवधि आदि)

उत्तर – समय बताने के लिए अनेक शब्दों का प्रयोग किया जाता है जैसे दिन, काल, अवधि अंतराल आदि।

(ख) श्रीकृष्ण के अनुसार वे कितने घण्टे गाय चराते थे? सुबह कितने बजे गाय चराने के लिए घर से निकले होंगे ?

उत्तर – श्रीकृष्ण के अनुसार वे 12 घण्टे गाय चराते थे।

(ग) मान लीजिए वे शाम को छह बजे गाय चराकर लौटे। वे

उत्तर – वे शाम को छह बजे गाय चराकर लौटे। वे सुबह 6 बजे गाय चराने के लिए घर से निकले होंगे।

(घ) 'दोपहर' का अर्थ है' दो पहर' का समय। जब दूसरे पहर है। की समाप्ति होती है और तीसरे पहर का प्रारम्भ होता है। यह लगभग 12 बजे का समय होता है, जब सूर्य सिर पर आ जाता है। बताइए दिन के पहले पहर का प्रारम्भ लगभग कितने बजे होगा ?

उत्तर – दिन के पहले पहर का प्रारम्भ सुबह 6 बजे से होगा।

हम सब विशेष हैं

(क) नीचे दिए गए व्यक्तियों की विशेष क्षमताएँ क्या हैं, विचार कीजिए और लिखिए -

उत्तर – (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

- **आपकी** - मेरे अंदर तेज़ दौड़ने की प्रतिभा है।
- **आपके किसी परिजन की** - माँ बहुत जल्दी खाना बना लेती।

- **आपके शिक्षक की** - सर जल्दी विषय को समझा देते हैं।
- **आपके मित्र की** - रोहन दूसरों की सहायता सदैव करता है।

(ख) एक विशेष क्षमता ऐसी भी है जो हम सबके पास होती है। वह क्षमता है सबकी सहायता करना, सबके भले के लिए सोचना। तो बताइए, इस क्षमता का उपयोग करके आप इनको सहायता कैसे करेंगे-

उत्तर – (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

1. **एक सहपाठी पढ़ना जानता है और उसे एक पाठ समझ में नहीं आ रहा है।**

उत्तर – सहपाठी को पाठ में आये हुए कठिन शब्दों के अर्थ को समझाया जाएगा और उस विषय को अलग-अलग तरीके से समझाने की कोशिश।

2. **एक सहपाठी को पढ़ना अच्छा लगता है और वह देख नहीं सकता।**

उत्तर – सहपाठी को कहानी पढ़कर सुनाई जाएगी जिससे उसे पढ़ने का कष्ट न उठाना पड़े।

3. **एक सहपाठी बहुत जल्दी-जल्दी बोलता है और उसे कक्षा में भाषण देना है।**

उत्तर – कक्षा में भाषण देने से पूर्व उसे अभ्यास कराया जाएगा।

4. **एक सहपाठी बहुत अटक-अटक कर बोलता है और उसे कक्षा में भाषण देना है।**

उत्तर – जो सहपाठी बहुत अटक-अटक कर बोलता है उसे कक्षा में भाषण देने से पूर्व अभ्यास कराया जाएगा।

5. **एक सहपाठी को चलने में कठिनाई है और वह सबके साथ दौड़ना चाहता है।**

उत्तर – जिस सहपाठी को चलने में कठिनाई है तो उसे प्रारम्भ में किसी वस्तु की सहायता से चलना सिखाया जाएगा फिर धीरे-धीरे दौड़ना सिखाया जाएगा।

6. **एक सहपाठी प्रतिदिन विद्यालय आता है और उसे सुनने में कठिनाई है।**

उत्तर – जिस सहपाठी को सुनने में कठिनाई होती है उसका पहले इलाज कराया जाएगा और कक्षा में प्रथम सीट पर बैठाया जाएगा।

आज की पहेली

नीचे दूध से बनने वाली कुछ वस्तुओं के चित्र दिए गए हैं। दी गई शब्द-पहेली में उनके नाम से पहले अक्षर दे दिए गए हैं। नाम पूरे कीजिए-

उत्तर – (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

- खोया
- पनीर
- मिठाई
- छाछ
- लस्सी
- मक्खन
- शरबत
- आइसक्रीम

खो	द	म	**क्ख**	**न**	ल
या		**ला**	प	छा	**स्सी**
मि	**ठा**	**ई**	**नी**	**छ**	
घी		श	**र**	**ब**	**त**
आ	**इ**	**स**	**क्री**	**म**	

खोजबीन के लिए

प्रश्न – सूरदास द्वारा रचित कुछ अन्य रचनाएँ खोजें व पढ़ें।

उत्तर – (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

egyanarchive